Statement

Official Spokesman's Statement on the U.S. Missile Attack on Baghdad

The Government of India is against state-sponsored terrorism. We are ourselves victims of state-sponsored terrorism from across the border in the West On the other hand, we are concerned about the violation of national sovereignty. Such phenomena can affect peace and stability in the West Asian region, where assiduous efforts are on to further the peace process. We have sympathy for the people of Iraq and regret that the civilian population has suffered. We hope that all disputes will be settled peacefully without resort to force.

New Delhi June
28, 1993

देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना

1098. श्री शैरेन जे. शाह

डा. जितेन्द्र कुमार जैन : क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में फल और सब्जियों का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होने के बावजूद कुल उत्पादन के मात्र एक प्रतिशत मात्रा का ही प्रसंस्करण होता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए आवश्यक कच्चे माल की कीमतें अन्तर्राष्ट्रीय बाजार के मूल्यों की तुलना में भारतीय बाजार में काफी अधिक है;

(ग) यदि नहीं तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;

(घ) देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के संबंध में सरकार द्वारा क्या लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं और आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अन्त तक फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण में कितनी वृद्धि की जायेगी; और

(ङ) निर्धारित लक्ष्य के अनुसार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के लिए इस क्षेत्र में कुल कितनी पूंजी निवेश करने का अनुमान है ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सरूप गोगोई) : (क) जी, हां ।

(ख) से (ङ) यद्यपि प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों को तैयार करने के लिए कुछ प्रमुख कच्चे माल कुछ दूसरे कच्चे मालों से महंगे हैं, परन्तु मांस, खुम्बी, कुछ सब्जियां, कुछ गर्म जलवायु के फल, समुद्री उत्पाद आदि अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों की तुलना में अधिक महंगे नहीं हैं । सरकार बागवानी उत्पादों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है और मंत्रालय प्रसंस्करण एवं इसकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए उचित कच्चे माल के विकास हेतु ठेके पर खेती को अपनाने के लिए बागवानी उद्योग को प्रोत्साहन दे रहा है । आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक प्रसंस्कृत फलों और सब्जी उत्पादों की क्षमता वर्तमान 11.08 लाख टन से बढ़कर 20 लाख टन होने की आशा है । समुद्री उत्पादों के उत्पादन में 0.6 मिलियन टन तक वृद्धि होने की आशा है जो आठवीं योजना के अन्त तक 2.9 मिलियन टन हो जाएगा । इसी प्रकार अन्य प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं का अनुमानित उत्पादन निम्न प्रकार है :—

वस्तु	आठवीं योजना के अन्त तक अनुमानित उत्पादन
बेकरी उत्पाद	34.00 लाख टन
कन्फेक्शनरी	4.00 लाख टन
कोको उत्पाद एवं चाकलेट	1.00 लाख टन
मृदु पेय	4000 मिलियन बोतलें
बीयर	8.00 लाख किलो लिटर
फलेक्स एक्सट्रूडेट फूड्स, पास्ता उत्पाद, नाश्ताहार	0.80 लाख टन

अधिकांश खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना प्राईवेट सेक्टर में की जा रही है । अगस्त 1991 से मई 1993 तक उद्यमियों द्वारा 2150 औद्योगिक उद्यम ज्ञापन प्रस्तुत किए गये हैं जिनमें 23,000 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीनिवेश प्रस्ताव निहित है । इसके अलावा विदेशी पूंजी निवेश, निर्यातोन्मुखी यूनिटों और योजना स्कीमों के अन्तर्गत औद्योगिक लाइसेंस की आवश्यकता वाले विभिन्न प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गयी है जिनका कुल पूंजी निवेश 4,000 करोड़ रुपये से अधिक है । यह आशा की जाती है कि योजना अवधि के दौरान 12,000 से 13,000 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजी निवेश प्रस्तावों का कार्यान्वयन किया जायेगा ।

Foreign Investment in Food Processing Sector

1099. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state :

(a) what are the efforts made by Government for creating a conducive climate for the country to attract more foreign investments in the food processing sector;

(b) what are the names of the countries that are coming forward for investment in the food processing industries; and

(c) what was the outcome of the visit of the